Nai Dunia (Indore), 01st January 2023, Safarnama, Page – 02

इंदौर के आइआइटी और आइआइएम ने किए कई शोध, बढ़ाएंगे मानव जीवन की गुणवत्ता

इंदौर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। 2022 में आइआइटी और आइआइएम इंदौर ने शोध में नए रिकार्ड स्थापित किए। आइआइटी इंदौर को 40 से ज्यादा पेटेंट प्राप्त हो चुके हैं। इसमें करीब 15 पेटेंट 2022 में प्राप्त हुए जो सबसे ज्यादा है। 2022 में संस्थान के शोध पत्र 16 जर्नल में प्रकाशित हो चुके हैं। कैंसर के उपचार, नुकसानदायक बैक्टीरिया, आटोमोबाइल, सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रिक वाहन, कृषि, ड्रोम और अन्य विषयों में संस्थान ने महत्वपूर्ण शोध किए। अंतरराष्ट्रीय स्तर के समझौते की बात करें तो इनकी संख्या भी 45 पार हो गई है। आइआइटी इंदौर को 2022 में यूनेस्को ने विश्वास जताते हुए ग्लोबल पेंडमिक हब बनाने की घोषणा की।इससे कोरोना, मलेरिया, चिकनगुनिया, डेंगू जैसे संक्रमण के उपचार पर कार्य किए जा रहे हैं।

कृषि क्षेत्र में संस्थान ने दो ऐसे शोध किए हैं जिससे कृषि अनाज के उत्पादन में बढ़ौतरी हो सकेगी। इसके तहत कीटनाशक दवाईयों का

छिड़काव उन्हीं फसलों पर हो सकेगा जिन्हें इसकी जरूरत है। इससे फसलों की गुणवत्ता भी बेहतर हो सकेगी।

कोरोना संक्रमण में हो रहे बदलाव पर भी संस्थान के प्रोफेसर कार्य कर चुके हैं। वैक्सीन बनाने की योजना पर भी संस्थान काम कर रहा था लेकिन इस योजना को बीच में रोककर संक्रमण की दवाई बनाने की विधि पर कुछ प्रोफेसर व्यक्तिगत रूप से कार्य कर रहे हैं। संस्थान में लर्निंग रिसोर्स सेंटर (एलआरसी) स्थापित किया गया। संस्थान ने मध्य प्रदेश में ही दो वर्ष में 10 से ज्यादा सरकारी विभागों, उद्योग और शिक्षण संस्थानों के साथ एमओयू किए। आइआइएम इंदौर ने पिछले दो साल में मध्य प्रदेश में 20 से ज्यादा एमओयू किए हैं। इसमें सरकार के साथ ही कई संस्थान शामिल है।

आइआइटी इंदौर और आइआइएम इंदौर शहर में कई वर्षों से संचालित हो रहे हैं लेकिन 2022 में महू आर्मी स्कूल और सेना के अधिकारियों के साथ मिलकर भी समझौते किए गए हैं। आइआइटी इंदौर और आरआरकेट कई शोध पर मिलकर कार्य कर रहे हैं। इसके लिए भी 2022 में समझौता हुआ। 2022 में आइआइटी इंदौर को इलेक्ट्रिक वाहन में काम आने वाले इलेक्ट्रान मेग्निट्यूड ट्रांजिस्टर तैयार करने के लिए भी पेटेंट प्राप्त हुआ। संस्थान के इंक्यूबेशन केंद्र में दो पहिया इलेक्ट्रिक वाहन तैयार कर रहा है। इसका ज्यादातर कार्य 2022 में पूर्ण हुआ।

उज्जैन में सैटेलाइट परिसर की भी घोषणा की: आइआइटी इंदौर ने 2022 में ही प्रदेश सरकार के साथ मिलकर उज्जैन में आइआइटी का सैटेलाइट परिसर की घोषणा की। 2022 में ही इसरो और आइआइटी इंदौर के अधिकारियों के बीच हुई बैठक में तय हुआ कि 2023 में इसरो द्वारा प्रक्षेपित होने वाले आदित्य एल-1 अंतरिक्ष यान की सफलता में आइआइटी इंदौर भी सहायक बनेगा। आइआइटी इंदौर ने उत्तर प्रदेश के कुछ शहरों को स्वच्छ बनाने के लिए समझौता किया। इंदौर और अन्य शहरों की यातायात समस्या को भी बेहतर करने के लिए संस्थान ने समझौते किए हैं।